

श्रीमान् , आश्रम , कर्म

① प
पुत्र

श्रम
मि
क

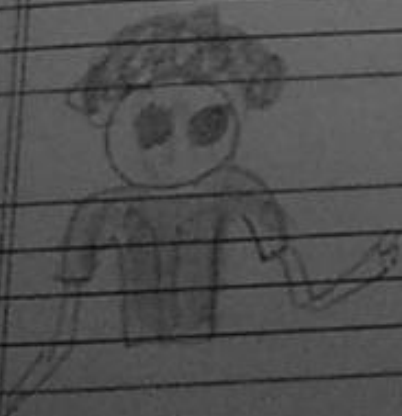
क
रक्षक

कर्म
यज्ञ

②



→ यज्ञ



→ पुत्र